गुवाहाटी। ईश्वरीय ज्ञान चर्चा के बाद जे.बी.पटनायक,गवर्नर असम के साथ समूह चित्र में ब्र.कु.श्रीमंत साहु,माउण्ट आबू, ब्र.कु.जोनाली एवं ब्र.कु.संहिता।

मुम्बई-थाणे वेस्ट। एज्युकेशन मिन्स्टिर राजेन्द्र डारदा को 'राजस्थान महोत्सव' के दौरान ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्र.कु. कंचन। साथ हैं सुमन अग्रवाल,सेक्रेट्री,महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस, संजीव नायक,एम.पी., बालकृष्ण पारनेकर,थाणे कांग्रेस प्रेसीडेंट तथा मनोज शिंदे,कॉर्पोरेटर।

रूद्रपुर। आवास विकास स्थित उपसेवाकेन्द्र का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते हुए श्री श्री 108 शिवानंद महाराज रेवती रमन सिंघला,वरिष्ठ समाजसेवी, रघुनाथ भाई,बी.एस.एफ कप्तान, वीरेन्द्र सिंह,बी.एस.एन.एल. मण्डल अभियन्ता तथा ब्र.कु. सूरजमुखी।

गांवपुर-समस्तीपुर(बिहार)। नवनिर्मित सेवाकेन्द्र का उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. रानी तथा ब्र.कु. अरुणा। साथ हैं अन्य ब्र.कु. भाई बहनें।

बरियातपुर वारा-नेपाल। महाशिवरात्रि पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए पूर्व मंत्री ऋषिकेश गौतम, उपसभापति धुरबा घरटौला, पूर्व मेयर भरत मल्ला, समाजसेवी बिन्दु राणा, ब्र.कु.मैया तथा ब्र.कु.मीना।

रामनगर-सूरत। महाशिवरात्रि के अवसर पर म्युनिसिपल कॉर्पोरेटर अनिलभाई बिस्किटवाला को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. ऋषि।

गीता ज्ञान का आध्यात्मिक रहस्य

-राजयोग शिक्षिका ब्र.कु.उषा

श्रीमद्भगवद्गीता को सर्व शास्त्रमयी शिरोमणि माना गया है, क्योंकि यह भारत का एकमात्र ऐसा धार्मिक पुस्तक है, जिसमें भगवानुवाच है या दूसरे शब्दों में कहें तो श्रीमद्भगवद्गीता भगवान का गाया हुआ मधुर गीत है। यह गीत आज सारे संसार की आत्माओं के प्रति है, क्योंकि आज हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहाँ कहा जाता है कि अनिश्चितता का समय है वा चुनौतियों से भरा समय है। यहाँ हर वक्त व्यक्ति को, किसी-न-किसी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। उस चुनौती को पार करने के लिए कोई-न-कोई विधि ढूँढ़नी आवश्यक है।

ऐसे समय में श्रीमद्भगवद्गीता हम सबको जीवन जीने की कला सिखाती है, कि 'हमारा जीवन कैसा होना चाहिए?' मनुष्य का मन जब कई उलझनों से भर जाता है, तब वह सही रास्ता चुनना चाहता है। कई महान् आत्माओं का ये अनुभव है कि जब वे श्रीमद्भगवद्गीता को पढ़ना प्रारम्भ करते हैं, तो मन के कई प्रश्नों का जवाब उन्हें स्वत: ही प्राप्त हो जाता है। यह गीता ज्ञान मन को शक्ति देने वाला शक्तिशाली टॉनिक है। इससे व्यक्ति अपनी समर्थी को पुन: प्राप्त कर लेता है। जब मन कई प्रकार की कमज़ोरियों से घिर जाता है तब उन कमज़ोरियों को भी पार करने की शक्ति मनुष्य में इस ज्ञान से आती है। गीता ज्ञान में सभी वेदों एवं उपनिषदों का सार समाया हुआ है।

सारे वेदों को पढ़ने के लिए आज के परिवेश में किसी के पास समय नहीं है। गीता का ज्ञान स्वयं भगवान के श्रीमुख से हम सभी आत्माओं तक पहुंचा है। संसार में जितनी भी धर्म पुस्तकें हैं, उन सभी धर्म पुस्तकों में यही बतलाया गया है कि उस धर्म के लोगों का जीवन में आचरण कैसा होना चाहिए? श्रीमद्भगवद्गीता में एक भी बार हिन्दू शब्द नहीं आया है।

कहने का भावार्थ यही है कि यह धर्मशास्त्र सम्पूर्ण मानव जाति के कल्याण के लिए है। यह एक मानवता का शास्त्र है। आज के युग में यह ज्ञान मनुष्य को श्रेष्ठ जीवन जीने की कला सिखलाता है। यही कारण है, शायद सारे संसार के लोगों ने श्रीमद्भगवद्गीता को समझने का प्रयत्न किया है। आश्चर्यजनक बात तो यह है कि संसार में आज जितनी भाषाओं में श्रीमद्भगवद्गीता का अनुवाद हुआ है, उतनी किसी भी पुस्तक का नहीं हुआ है। यह एक ऐसी पुस्तक है जिसे लोगों ने समझना चाहा है और उसमें से किसी न किसी प्रकार से अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त किया है। क्योंकि इसमें कई गुह्य रहस्य समाये हुए हैं। जब गुह्य रहस्यों को हम आध्यात्मिकता के आधार से समझते हैं तब हर बात को यथार्थ रूप से समझने की शक्ति आ जाती है। इसीलिए यह माना गया है कि विशुद्ध आध्यात्मिक ज्ञान की दृष्टि से भगवद्गीता अतुलनीय है। इसकी विशेषता यह है कि इसमें वर्णित ज्ञान, सर्व मानव प्राणियों पर लागू होता है। यह ज्ञान किसी विशेष सम्प्रदाय की मान्यता के आधार पर नहीं है। इसमें सभी धर्मों की मर्यादाओं को सुरक्षित रखते हुए ईश्वरीय आध्यात्मिक ज्ञान को सार रूप में उद्धृत किया गया है।

बाबा को मैंने... पेज 6 का शेष

से मिलन होता है तो केवल आत्मा का ही भान रह जाता है, हम अशरीरी अवस्था की ऊंची स्थिति में पहुंच जाते हैं।

हमें बाबा से इतनी पालना, इतनी शक्ति, इतनी खुशी और बाबा के जीवन से इतनी प्रेरणा मिली हुई है कि जीवन में भले कितनी भी समस्याएं आ जाएं, मुझे कभी घबराहट नहीं होती बल्कि और ही हिम्मत बढ़ जाती है। बाबा की दी हुई शिक्षाओं के कारण मैंने कभी भी बिज़नेस में झूठ, धोखा या बेइमानी का सहारा नहीं लिया। हमेशा इमानदारी के साथ जीवन जीने की कला हमें बाबा ने सिखाई। जब पवित्रता और सच्चाई हमारी पर्सनालिटी बन जाती है तब हमारे साथी, हमारे साथ काम करने वाले हमारे सहयोगी बन जाते हैं और हमारा सम्मान भी करते हैं। आज 83 वर्ष की आयु में भी मेरा उमंग-उत्साह वैसा ही है जैसा बाबा से प्रथम मिलन में था। इस ज्ञान को पाने के बाद और कुछ पाने को बाकी ही नहीं रह जाता। मैं अपने आप को बहुत ही भाग्यशाली समझता हूँ और परमात्मा को दिल से धन्यवाद देता हूँ।

परमात्म शक्ति का... पेज 6 का शेष

सबसे बड़ा त्याग है। इसका प्रबोधन जो संस्था से जुड़े सभी वर्ग, खासकर के युवा वर्ग, ने लिया है वह दिव्य आत्माओं एवं परमात्मा का ही कार्य है। यह परमात्मा की आज्ञा के बिना हो ही नहीं सकता।

आज संसार में परिवर्तन की आवश्यकता है। जो भी अनाचार, पापचार फैला हुआ है उसका कारण यही है कि सब मानवीय मूल्यों एवं नैतिकता को भूल गए हैं। पाश्चात्य संस्कृति का अनुकरण यह सबसे घातक प्रतीत होता है। इसलिए खुद की पहचान होना ज़रूरी है कि मैं आत्मा हूँ। इसी भूल के कारण आज मानव जाति रास्ता भटक गई है। सद्मार्ग पर आने के लिए बहुत बड़ा परिवर्तन लाना होगा। यह कार्य हम सभी ब्रह्मा-वत्सों को मिलकर ही करना है।

संस्था से जुड़ने के बाद जो भी मुझमें क्रोध थ वह मानो बर्फ हो गया है, जम गया है। मुझे भी सच्चे ज्ञान की अनुभूति हो गई, सत्य मार्ग मिल गया। यह मार्ग सबके आयुष्य में महामार्ग कैसे बने उसके लिए मैं भरसक प्रयास करूंगा।

मेरा यही मानना है कि इसी संस्था के द्वारा सर्व मनुष्य आत्माओं को सत्य ज्ञान की प्राप्ति होगी। लोग टी.वी. के सामने तो बहुत बैठते हैं परन्तु उनके पास ऐसे महान कार्य से जुड़ने के लिए समय नहीं है। ऐसे सोए हुए मानव के मन में जागृति लाने के लिए हर प्रकार के माध्यम से उन तक पहुँचना होगा - चाहे वह सोशियल मीडिया हो, समाचार पत्र हों, टी.वी. हो इत्यादि।

ओम शान्ति मंत्र की शक्ति को मैंने यहाँ आकर ही पहचाना। अगर हम आत्म-चिंतन करते हैं, निष्पक्ष भाव से सभी से व्यवहार करते हैं तो जिन दैवी संस्कारों को हम अपने में विद्यमान होते भी पहचान नहीं पा रहे हैं उन्हें जानना आसान होगा। जिस दिन समस्त मानव जाति को ईश्वर की अनुभूति हो जाएगी तो स्वर्ग इस धरा पर उतर आएगा।

हर आत्मा अलग... पेज 12 का शेष

के अनुभव साझा किये।

कार्यक्रम में ऑयल इंडिया लि., इंजीनियर्स इंडिया लि., भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लि., इन्द्रप्रस्थ गैस लि., एन.टी.पी.सी. लि., स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लि., गेल इंडिया लि., ओ.एन.जी.सी. लि., एन.बी.सी.सी. लि., अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भारत मौसम विज्ञान विभाग, हडको, दिल्ली विकास प्राधिकरण के प्रतिनिधियों सहित आईएएस/आईपीएस अधिकारियों, व्यापारियों, वकीलों आदि लगभग 800 लोगों ने भाग लिया।

ब्र.कु. गिरिजा, सेवा केन्द्र संचालिका, लोधी रोड ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा ब्र.कु. पीयूष ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया तथा गीत भी गाये गये।